RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 197
दि. 18.11.2025,
मंगलवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : VINOD KUMARI Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.
Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com

जनता दर्शन : आये हुए अर्धसैनिक बलों के जवानों से सीएम बोले 'आप ड्यूटी कीजिए, परिवार की जिम्मेदारी हमारी'

● जनता दर्शन : अर्धसैनिक बलों के जवान भी पहुंचे, सीएम योगी बोले- आप ड्यूटी कीजिए, परिवार की जिम्मेदारी हमारी

लखनऊ, (जीएनएस)। 'जनता दर्शन' में सीएम योगी ने आर्थिक तंगी से जूझ रही महिला के सात माह के बीमार बच्चे का तुरंत इलाज शुरू करवाया। अर्धसैनिक बल के जवान की जमीन कब्जे की शिकायत पर भरोसा दिलाया कि परिवार की जिम्मेदारी सरकार की है। कार्यक्रम में आए 60 से अधिक फरियादियों की समस्याएं सुनकर समाधान के निर्देश दिए।

सुबह एक मां के जीवन में उम्मीद की किरण लेकर आया। जब वह सोमवार को 'जनता दर्शन' में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलीं। उन्होंने अपनी आर्थिक स्थिति का जिक्र करते हुए सात माह के मासूम की बीमारी के इलाज के लिए आर्थिक सहयोग का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने महिला की बात सुनी और तत्काल उन्हें एंबुलेंस से केजीएमयू भिजवाया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर हृदय संबंधी बीमारी से जूझ रहे बच्चे का इलाज शुरू हो गया। वहीं 'जनता दर्शन' में प्रदेश भर से 60 से अधिक फरियादी आए, मुख्यमंत्री ने सभी के पास पहुंचकर उनकी शिकायतें सुनीं और अधिकारियों को समय से निराकरण का निर्देश दिया।

महिला बेटे के इलाज की फरियाद लेकर पहुंचीं

लखनऊ के राजेंद्र नगर, ऐशबाग की रहने वाली एक महिला सोमवार सुबह मुख्यमंत्री आवास में लगाए गए 'जनता दर्शन' में पहुंचीं। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बताया कि उनकी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। वे किराए के मकान में रहकर अत्यंत सीमित संसाधन में जीवनयापन कर रही हैं। उनके सात माह के मासूम को हृदय से संबंधित बीमारी है। उसके इलाज के लिए

आर्थिक सहायता कर दी जाए।

मुख्यमंत्री ने उस बच्चे को दुलारा-पुचकारा और महिला को आश्वस्त किया कि आप बेफिक्र रहिए, सरकार मदद करेगी। इसके बाद मुख्यमंत्री ने उस बच्चे को तत्काल एंबुलेंस से केजीएमयू भिजवाया और वहां कुलपति को निर्देशित किया कि बच्चे के उपचार की तत्काल व्यवस्था की जाए। मुख्यमंत्री के आदेश के उपरांत वहां मासूम का इलाज प्रारंभ हो गया है।

बुलंदशहर निवासी अर्धसैनिक बलों के जवान भी पहुंचे - फोटो : विभाग

आपके परिवार की जिम्मेदारी सरकार पर

'जनता दर्शन' में बुलंदशहर निवासी अर्धसैनिक बलों के जवान भी पहुंचे। उन्होंने मुख्यमंत्री से अपनी जमीन के कब्जे संबंधी शिकायत की। इस पर मुख्यमंत्री ने उनसे प्रार्थना पत्र लिया और कहा कि आपकी ड्यूटी देश की सीमा या देश की आंतरिक सुरक्षा में लगी होगी, आप ड्यूटी निभाइए। आपके परिवार की जिम्मेदारी सरकार पर है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को इस मामले की जांच कराने और जल्द समाधान का निर्देश दिया।

'जनता दर्शन' में आए 60 से अधिक फरियादी

'जनता दर्शन' में सोमवार को प्रदेश भर के 60 से अधिक फरियादी पहुंचे। मुख्यमंत्री स्वयं सभी के पास पहुंचे। एक-एक करके सभी का प्रार्थना पत्र लिया और समस्याएं सुनीं, फिर संबंधित अधिकारियों को निराकरण के आदेश दिए।

इस दौरान जमीन कब्जा, आर्थिक सहयोग, पुलिस, बिजली समेत अनेक विभागों से जुड़ी समस्याओं को लेकर लोग पहुंचे थे। सीएम ने फरियादियों को आश्वस्त किया कि आपकी सुरक्षा और सेवा सरकार का कर्तव्य है। सरकार पहले दिन से ही इस इस ध्येय के साथ कार्य कर रही है।

दिल्ली बम विस्फोट के दोषियों को हम पाताल से भी ढूंढ कर सख्त से सख्त सजा दिलाएंगे : श्री अमित शाह

● केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज हरियाणा के फरीदाबाद में उत्तरी क्षेत्रीय परिषद की 32वीं बैठक की अध्यक्षता की

● बैठक में दिल्ली में हाल में हुए कार बम विस्फोट और जम्मू-कश्मीर के नौगाम पुलिस स्टेशन में हुए विस्फोट में जान गँवाने वाले लोगों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की गई और दो मिनट का मौन रखा गया

● प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में आतंकवाद को जड़ से समाप्त करना हम सबकी साझी प्रतिबद्धता है

● संवाद, सहयोग, समन्वय और 'पॉलिसी सिनर्जी' के लिए क्षेत्रीय परिषदें बहुत महत्वपूर्ण

● प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 'सशक्त राज्य ही सशक्त राष्ट्र का सृजन करते हैं' के विजन को जमीन पर उतारने में क्षेत्रीय परिषदों का बहुत महत्व

● वर्ष 2004-14 के अनुपात में 2014-25 तक क्षेत्रीय परिषदों की बैठकों में लगभग ढाई गुणा बढ़ोत्तरी

● अब तक क्षेत्रीय परिषदों की बैठकों में 1600 मुद्दों पर चर्चा हुई और 1303, यानि 81.43% मुद्दों के समाधान हुए

● महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसके लिए फास्ट ट्रैक विशेष न्यायालयों (FTSC) की संख्या बढ़ाई जाए

● सहकारिता, कृषि और मछली पालन से दूर हो रही है गरीबी, बढ़ रहे हैं रोजगार

(जीएनएस)।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज हरियाणा के फरीदाबाद में उत्तरी क्षेत्रीय परिषद की 32वीं बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी, पंजाब के मुख्यमंत्री श्री भगवंत मान, हिमाचल प्रदेश के

मुख्यमंत्री श्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू, राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री श्री उमर अब्दुल्ला, दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता, संघ शासित प्रदेश चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया, जम्मू-कश्मीर के उप-राज्यपाल श्री मनोज सिन्हा, दिल्ली के उपराज्यपाल श्री विनय कुमार सक्सेना और लद्दाख के उप-राज्यपाल श्री कविंदर गुप्ता तथा इन राज्यों एवं संघशासित प्रदेशों के वरिष्ठ मंत्री भी शामिल हुए। बैठक में केन्द्रीय गृह सचिव, अंतर राज्य परिषद सचिवालय के सचिव, सदस्य राज्यों के मुख्य सचिव/ सलाहकार और राज्य सरकारों तथा केन्द्रीय मंत्रालयों एवं विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

बैठक की शुरूआत में दिल्ली में हाल ही में हुए कार बम विस्फोट और जम्मू-कश्मीर के नौगाम पुलिस स्टेशन में हुए विस्फोट में जान गँवाने वाले लोगों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की गई और दो मिनट का मौन रखा गया। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में आतंकवाद को जड़ से समाप्त करना हम सबकी साझी प्रतिबद्धता है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के अब तक के रिकार्ड के अनुरूप दिल्ली बम विस्फोट के दोषियों को हम पाताल से भी ढूंढ कर देश की न्यायिक व्यवस्था के सामने खड़ा करेंगे और उन्हें सख्त से सख्त सजा दिलाएंगे।

श्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का दृष्टिकोण है कि सशक्त राज्य ही सशक्त राष्ट्र का सृजन करते हैं, इसे जमीन पर उतारने में क्षेत्रीय परिषदों का बहुत महत्व है। संवाद, सहयोग, समन्वय और 'पॉलिसी सिनर्जी' के लिए क्षेत्रीय परिषदें बहुत महत्वपूर्ण हैं। इन परिषदों के माध्यम से कई प्रकार की समस्याओं को हल किया गया है। उन्होंने कहा कि अभी भी महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध के मामलों में जल्द सजा दिलाने में विलंब, कुपोषण और ठिगनापन (र३४ल्ल३ल्ल) जैसी कई समस्याएं हैं जिनसे देश को मुक्त करने की जरूरत है। श्री शाह ने महिलाओं और बच्चों के खिलाफ ढडउरड अधिनियम के तहत यौन अपराध और बलात्कार के मामलों की त्वरित जांच पर बल देते हुए कहा कि ऐसे घृणित अपराध को कोई भी सभ्य समाज स्वीकार नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसके लिए फास्ट ट्रैक विशेष न्यायालयों (ऋळरउ) की संख्या बढ़ाई जाए।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि सहकारिता, कृषि और मछली पालन गरीबी दूर करने और रोजगार प्रदान करने का महत्वपूर्ण माध्यम बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि सहकारिता, कृषि और मछली पालन से गरीबी दूर हो रही है और रोजगार बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 'सहकार से समृद्धि' के मंत्र का उल्लेख करते हुए श्री शाह ने कहा कि सहकारिता क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावना है। उन्होंने कहा कि सकल घरेलू उत्पाद के साथ रोजगार, खासकर स्वरोजगार में वृद्धि से ही हम एक विकसित भारत के स्वप्न को साकार कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि सिर्फ जीडीपी देश की समृद्धि का परिचायक नहीं होता बल्कि समृद्धि तभी मानी जाती है जब हर व्यक्ति गरीबी रेखा से ऊपर आ जाता है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय ने देश भर में सहकारी क्षेत्र को मजबूत करने के लिए 57 पहल की हैं। इनमें प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (ढअउर) के कंप्यूटरीकरण, तीन नई राष्ट्रीय सहकारी समितियों की स्थापना और त्रिभुवन सहकारी यूनिवर्सिटी की स्थापना शामिल है।

श्री अमित शाह ने कहा कि क्षेत्रीय परिषदों की मूल भावना और भूमिका सलाहकारी है, लेकिन पिछले दशक में इसे एक्शन ओरियंटेड प्लेटफॉर्म के रूप में स्वीकारा गया है और इसके परिणाम भी मिले हैं। उन्होंने कहा कि राज्यों के बीच, क्षेत्र और राज्यों के बीच और केन्द्र और राज्य सरकारों के साथ फॉलोअप के साथ मुद्दों को हमने स्वीकारा भी है और इनके समाधान प्राप्त करने के लिए ठोस रास्ता भी

सोलहवें वित्त आयोग ने भारत के राष्ट्रपति को 2026-27 से 2030-31 तक की अनुशंसा अवधि के लिए अपनी रिपोर्ट सौंपी

(जीएनएस)।

सोलहवें वित्त आयोग का गठन भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा संविधान के अनुच्छेद 280 के खंड (1) के अनुसरण में किया गया था। डॉ. अरविंद पनगढ़िया की अध्यक्षता वाले इस आयोग ने आज (17 नवंबर 2025) भारत के माननीय राष्ट्रपति को अपनी रिपोर्ट सौंपी। आयोग के सदस्य श्रीमती ऐनी जॉर्ज मैथ्यू, डॉ. मनोज पांडा, श्री टी. रबी शंकर और डॉ. सौम्या कांति घोष तथा आयोग के सचिव श्री ऋत्विक पाण्डेय भी अध्यक्ष के साथ उपस्थित थे। इसके बाद आयोग ने आज माननीय प्रधानमंत्री और माननीय वित्त मंत्री को भी इसकी एक प्रति सौंपी।

विचारार्थ विषयों (टीओआर) के अनुसार, आयोग को 01 अप्रैल, 2026 से शुरू होने वाली पांच वर्षों की अवधि को शामिल करते हुए अपनी रिपोर्ट देने के लिए अधिदेश दिया गया था, जिसमें संघ और राज्यों के बीच करों की शुद्ध प्राप्तियों के वितरण के साथ-साथ राज्यों के बीच ऐसी प्राप्तियों के संबंधित हिस्सों के आबंटन, राज्यों को सहायता अनुदान, आपदा प्रबंधन पहलों के वित्तपोषण की व्यवस्था की समीक्षा आदि पर सिफारिशें की गई थीं।

तदनुसार, अपने कार्यकाल के दौरान, आयोग ने संघ और राज्यों के वित्त का विस्तार से विश्लेषण किया और संघ, राज्य सरकारों, विभिन्न स्तरों पर स्थानीय सरकारों, पिछले वित्त आयोगों के अध्यक्षों और सदस्यों, प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों, बहुपक्षीय संस्थानों, आयोग की सलाहकार परिषद और अन्य क्षेत्रों के विशेषज्ञों के साथ व्यापक विचार-विमर्श के बाद रिपोर्ट तैयार की है। यह रिपोर्ट दो खंडों में तैयार की गई है जिसमें खंड-क में विचारार्थ विषयों के अनुसार सिफारिशें शामिल हैं और खंड-II में अनुलग्नक दिए गए हैं।

सचिव ने मध्य क्षेत्र के अग्रिम स्थलों का दौरा किया

रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने 15 से 17 नवंबर, 2025 तक मध्य क्षेत्र के अग्रिम स्थानों का व्यापक दौरा किया है। रक्षा सचिव को

पिथौरागढ़ में उत्तर भारत क्षेत्र के जनरल ऑफिसर कमांडिंग तथा 119 (आई) इन्फैंट्री ब्रिगेड ग्रुप के कमांडर द्वारा प्रमुख परिचालन मुद्दों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। रक्षा सचिव ने नवीडांग की यात्रा के दौरान संबंधित बटालियन कमांडरों और सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) की परियोजना हीरक के मुख्य अभियंता के साथ विस्तृत बातचीत की। अधिकारियों ने उन्हें रणनीतिक गतिशीलता बढ़ाने और राष्ट्रीय सुरक्षा को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से संचालित महत्वपूर्ण सीमावर्ती बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की प्रगति एवं परिचालन पक्षों से अवगत कराया।

भारत-ब्रिटेन संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण अभ्यास 'अजेय वारियर-25' राजस्थान में शुरू

भारत-ब्रिटेन संयुक्त सैन्य अभ्यास "अजेय वारियर-25" का आठवाँ

संस्करण आज राजस्थान स्थित फॉरेन ट्रेनिंग नोड, महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में शुरू हुआ। यह 14 - दिवसीय द्विपक्षीय अभ्यास 17 से 30 नवंबर 2025 तक आयोजित किया जा रहा है।

इस अभ्यास में 240 सैन्यकर्मी भाग ले रहे हैं, जिसमें भारतीय सेना और ब्रिटिश सेना -दोनों का समान प्रतिनिधित्व है। भारतीय सेना का प्रतिनिधित्व सिख रेजिमेंट के जवान कर रहे हैं।

श्री पीयूष गोयल की न्यूजीलैंड के व्यापार मंत्री के साथ द्विपक्षीय बैठक

भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के संबंध में बातचीत आगे बढ़ाने के लिए केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने न्यूजीलैंड के व्यापार मंत्री के साथ द्विपक्षीय बैठक की

(जीएनएस)।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने प्रस्तावित भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर चर्चा को आगे बढ़ाने के लिए आज मुंबई में न्यूजीलैंड के व्यापार मंत्री टॉड मैक्ले के साथ द्विपक्षीय बैठक की। यह बैठक इस संबंध में जारी वार्ता में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई, जिसमें दोनों मंत्रियों ने वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार से संबंधित प्रमुख विषयों के बारे में सहमति कायम करने की दिशा में बढ़ने पर ध्यान केंद्रित किया।

दोनों पक्षों ने स्वीकार किया कि हाल के दौर में ठोस प्रगति हुई है, कई बिंदुओं पर सहमति बन गई है और समझौते के शीघ्र और पारस्परिक रूप से संतोषजनक निष्कर्ष तक पहुँचने के लिए स्पष्ट साझा समझ उभर रही है।

दोनों मंत्रियों ने इस बात का उल्लेख किया कि वित्त वर्ष 2024-25

में भारत और न्यूजीलैंड के बीच वस्तुओं का द्विपक्षीय व्यापार लगभग 49 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दशार्ते हुए 1.3 बिलियन डॉलर तक पहुँच गया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एक समग्र और संतुलित मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) न केवल व्यापार प्रवाह को गति देगा, बल्कि निवेश संबंधों को भी व्यापक बनाएगा, आपूर्ति-श्रृंखला के लचीलेपन को मजबूत करेगा और दोनों देशों में व्यवसायों के लिए पारदर्शी, स्थिर और पूर्वानुमानित ढाँचा प्रदान करेगा।

दोनों मंत्रियों ने महत्वाकांक्षी और दूरदर्शी साझेदारी के प्रति अपनी साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि मुक्त व्यापार समझौते में सेवाओं, नवाचार और प्रौद्योगिकी सहयोग सहित विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण संभावनाओं का पता लगाने की क्षमता है। उन्होंने सकारात्मक गति बनाए रखने तथा समझौते को शीघ्र, संतुलित और पारस्परिक लाभकारी रूप से संपन्न करने के लिए आने वाले हफ्तों में प्रयास तेज करने पर सहमति प्रकट की।

करदाता राष्ट्र निर्माण में भागीदार : रवि अग्रवाल

● सीबीडीटी अध्यक्ष श्री रवि अग्रवाल ने भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला (आईआईटीएफ), 2025 में करदाताओं के लाउंज का उद्घाटन किया, करदाताओं को राष्ट्र निर्माण में भागीदार बताया

● सीबीडीटी ने आईआईटीएफ 2025 में करदाता जागरूकता और सुविधाओं पर नई सूचना संबंधी सामग्री का अनावरण किया

● स्पेशल चिल्ड्रन कॉर्नर और इंटरैक्टिव कार्यकलापों का उद्देश्य युवा आगंतुकों के बीच कराधान और राष्ट्र निर्माण के बारे में जागरूकता पैदा करना है

(जीएनएस)।

आयकर विभाग ने अपनी वार्षिक लोकसम्पर्क पहल के हिस्से के रूप में 14 से 27 नवंबर, 2025 तक नई दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला (आईआईटीएफ), 2025 में करदाताओं के लिए लाउंज की स्थापना की है।

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के अध्यक्ष श्री रवि अग्रवाल ने आज नई दिल्ली के प्रगति मैदान स्थित हॉल संख्या 4 में सीबीडीटी

के सदस्यों और आयकर विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में करदाताओं के लाउंज का उद्घाटन किया। 'प्रत्येक राज्य, एक राष्ट्र निमार्ता' की थीम पर आधारित यह लाउंज भारत के संघीय और आर्थिक ताने-बाने को सुदृढ़ करने में करदाताओं की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है। इसका उद्देश्य करदाता सेवाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाना और नागरिकों को उनके अधिकारों और उत्तरदायित्वों के बारे में सरल और आकर्षक तरीके से शिक्षित करना है।

"एक भारत, श्रेष्ठ भारत" की भावना को प्रतिबिंबित करते हुए मंडप का केंद्रीय भाग राष्ट्र की एकता और सामूहिक प्रगति को दशार्ता है। यह प्रदर्शित करता है कि भारत की सांस्कृतिक और क्षेत्रीय विविधता एक मजबूत, एकजुट और दूरदर्शी देश के निर्माण में कैसे योगदान देती है। यह लाउंज करदाताओं को जोड़ने और शिक्षित करने के लिए विभिन्न सेवाएं और उपयोगकर्ता-अनुकूल संसाधन प्रदान करता है,

जैसेः

१. पैन/ई-पैन, आधार पैन लिंकिंग

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मुंबई में एशियाई बीज कांग्रेस 2025 का उद्घाटन किया

श्री चौहान ने बीज से संबंधित मामलों में निजी क्षेत्र से सरकार के साथ मिलकर काम करने को कहा

कृषि मंत्री ने कहा, बीजों की बढ़ती कीमतों पर नियंत्रण और गुणवत्ता

शिकायतों के समाधान के साथ ही दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी

सरकार आगामी बजट सत्र में बीज और कीटनाशकों से संबंधित नया कानून लाने पर विचार कर रही है

केंद्रीय कृषि मंत्री ने सरकार के साथी -एसएटीएचआई - पोर्टल का उपयोग कर सुविधाओं के लाभ उठाने का आग्रह किया

दिव्यांगजनों के लिए नई निःशुल्क सहायता सेवा

वडोदरा मंडल ने रेलवे स्टेशनों पर दिव्यांगजनों के लिए एक नई निःशुल्क सहायता सेवा शुरू की है, जिसका उद्देश्य रेल यात्रा को उनके लिए अधिक सहज, सुरक्षित और सुलभ बनाना है।

पश्चिम रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी श्री अनुभव सक्सेना द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार मंडल के वाणिज्य विभाग द्वारा कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (उरफ) के तहत आर आर केबल फाउंडेशन के सहयोग से यह महत्वपूर्ण पहल की गई है।

"सुगम्य भारत अभियान" के अंतर्गत वडोदरा मंडल के 66 स्टेशनों पर कुल 172 क्रचेस (86 जोड़ी) प्रदान किए गए हैं। ये क्रचेस रेलवे स्टेशनों पर सहायता की आवश्यकता वाले दिव्यांग यात्रियों को निःशुल्क उपलब्ध कराए जाएंगे।

यह पहल न केवल दिव्यांगजनों की सुविधा बढ़ाएगी, बल्कि रेलवे की सामाजिक जिम्मेदारी और सहयोगी संस्थाओं के सकारात्मक योगदान को भी दर्शाती है। यह सेवा दिव्यांग यात्रियों के आत्मविश्वास और यात्रा अनुभव को और अधिक बेहतर बनाने में सहायक सिद्ध होगी।

अहमदाबाद मंडल के साणंद से पहली रेफ्रिजरेटेड कंटेनर रैक पिपावाव पोर्ट के लिए रवाना

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मण्डल के साणंद से दिनांक 17.11.2025 को ट/२ हर्ती पेट्रोकेमिकल्स एंड शिपिंग लिमिटेड की पहली रेफ्रिजरेटेड (रीफर) कंटेनर रैक (MHPL) (थार ड्राई पोर्ट) फ्रेट टर्मिनल साणंद से मंडल रेल प्रबंधक श्री वेद प्रकाश ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह अहम पड़ाव मंडल के कोल्ड-चेन लॉजिस्टिक्स को सुदृढ़ बनाने तथा माल ढुलाई प्रणाली में दक्षता बढ़ाने के प्रति निरंतर प्रयासों का एक महत्वपूर्ण संकेत है।

यह रीफर कंटेनर रैक पिपावाव पोर्ट के लिए प्रस्थान कर रही है, जो क्षेत्र में बहु-मोडल कनेक्टिविटी को मजबूत करेगी तथा तापमान-संवेदनशील माल की ढुलाई के लिए उद्योगों को एक विश्वसनीय और कुशल विकल्प प्रदान करेगी। यह पहल अहमदाबाद मंडल की बिजनेस डेवलपमेंट यूनिट (BDU) की बढ़ती क्षमता और उद्योग जगत द्वारा मंडल की माल ढुलाई सेवाओं में जताए जा रहे विश्वास को दर्शाती है। इस रैक में जितने रेफ्रिजरेटेड कंटेनर लोड किए गए हैं, उनका कुल वजन 1061.81 टन है तथा इससे ₹6.57 लाख का राजस्व प्राप्त हुआ है। इन कंटेनरों में M/s हाईफन इंडस्ट्रीज, मैककेन इंडस्ट्रीज तथा बालाजी ग्रुप का नाजुक एवं शीघ्र नष्ट होने वाला माल शामिल है, जिसे समयबद्ध व नियंत्रित तापमान की आवश्यकता होती है।

एमएचपीएल प्राइवेट फ्रेट टर्मिनल से रीफर रैक संचालन की शुरूआत से क्षेत्र के निर्यातकों तथा कोल्ड-स्टोरेज आधारित उद्योगों को एक नई गति मिलेगी। यह अहमदाबाद मंडल की उद्योग विकास को समर्थन देने, माल सेवाओं का विस्तार करने तथा निर्बाध, सुरक्षित और कुशल लॉजिस्टिक्स प्रदान करने की प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है। यह उपलब्धि भारतीय रेल के अंतर्गत मंडल की सक्रिय पहल, नवाचार और सुदृढ़ फ्रेट इकोसिस्टम निर्माण के उत्कृष्ट उदाहरण के रूप में उभरती है।

अहमदाबाद मण्डल पर भगवान बिरसा मुंडा जयंती एवं जनजातीय गौरव दिवस का उत्साहपूर्वक आयोजन

भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर अहमदाबाद मंडल में जनजातीय गौरव दिवस बड़े हर्षोल्लास और गरिमा के साथ मनाया गया। इस उपलक्ष्य में मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, अहमदाबाद में महान स्वतंत्रता सेनानी एवं जननायक भगवान बिरसा मुंडा जी को श्रद्धापूर्वक नमन किया गया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में मंडल रेल प्रबंधक श्री वेद प्रकाश ने भगवान बिरसा मुंडा जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके पश्चात उनके जीवन-वृत, संघर्ष तथा स्वतंत्रता संग्राम में दिए गए अमूल्य योगदान पर प्रकाश डाला गया।

अपने संबोधन में मंडल रेल प्रबंधक श्री वेद प्रकाश ने कहा कि 'भगवान बिरसा मुंडा ने मात्र 25 वर्ष की आयु में वह कार्य कर दिखाया, जो बड़े-बड़े लोग भी नहीं कर पाते। उन्होंने ब्रिटिश शासन के विरुद्ध संघर्ष कर आदिवासी समाज को एकजुट किया और समाज सुधार एवं राष्ट्र की स्वतंत्रता के लिए विशिष्ट योगदान दिया।' उन्होंने आगे कहा कि बिरसा मुंडा का जीवन संघर्ष, आत्मसम्मान और देशभक्ति का प्रेरणास्रोत है, जो वर्तमान एवं आने वाली पीढ़ियों को निरंतर मार्गदर्शन प्रदान करेगा।

इस अवसर पर वक्ताओं ने भगवान बिरसा मुंडा के स्वतंत्रता संग्राम में योगदान तथा आदिवासी समाज के उत्थान हेतु किए गए उनके उल्लेखनीय कार्यों पर विस्तृत रूप से चर्चा की। कार्यक्रम के दौरान बिरसा मुंडा की जीवनी पर आधारित पुस्तिका का वितरण भी किया गया।

कार्यक्रम में मण्डल के रेल अधिकारी, कर्मचारी, विभिन्न एसोसिएशनों एवं ट्रेड यूनियनों के पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

स्मार्ट तकनीकी समाधान विकसित करने हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

गति शक्ति विश्वविद्यालय और रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए स्मार्ट तकनीकी समाधान विकसित करने हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

समझौता ज्ञापन से लॉजिस्टिक्स, चिप डिजाइन और उन्नत एन्क्रिप्शन प्रौद्योगिकियों में संयुक्त अनुसंधान का मार्ग प्रशस्त होगा

(जीएनएस)।

राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए स्मार्ट तकनीकी समाधान विकसित करने हेतु गति शक्ति विश्वविद्यालय और रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने समझौता किया है। डीआरडीओ अध्यक्ष और रक्षा अनुसंधान एवं विकास सचिव डॉ. समीर वी. कामत की उपस्थिति में गति शक्ति विश्वविद्यालय -जीएसवी - और रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन - डीआरडीओ ने 17 नवंबर, 2025 को नई दिल्ली में इस आशय के समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। डॉ. कामत ने इस अवसर पर कहा कि यह सहयोग स्वदेशी रक्षा प्रणालियों की तैनाती में तकनीकी समाधान विकासित करने में उपयोगी होगा।

इस समझौता ज्ञापन से लॉजिस्टिक्स प्रबंधन, सामरिक, परिचालन और रणनीतिक स्तर पर परिचालन, लॉजिस्टिक्स क्षेत्रों में अवधारणाओं के विश्लेषण और परिचालन लॉजिस्टिक्स योजना के सत्यापन, चिप डिजाइन और हार्डवेयर सुरक्षा और होमोमोर्फिक / ब्लॉक चेन आधारित एन्क्रिप्शन के लिए सहयोगात्मक अध्ययन और अनुसंधान एवं विकास में सहायक होगा।

इस समझौता ज्ञापन का मुख्य ध्यान परिचालन एवं सैन्य विज्ञान क्षेत्र, परिचालन संबंधी प्रबंधन और तकनीकी अनुसंधान में शोधकताओं और वैज्ञानिकों की क्षमता निर्माण पर होगा। इसके लिए दोनों संगठन अनुसंधान, संयुक्त संगोष्ठियां/सम्मेलन, क्षमता निर्माण और गोलमेज कार्यशालाएं आयोजित करेंगे। जीएसवी के कुलपति प्रो. मनोज चौधरी और डीआरडीओ के विशिष्ट वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकी प्रबंधन महानिदेशक डॉ. लाल चंद मंगल ने इस समझौते पर हस्ताक्षर किये।

विश्वविद्यालय का पहले से ही तीनों रक्षा बलों, भारतीय सेना, भारतीय वायु सेना और भारतीय नौसेना, के साथ परिचालन और आपूर्ति श्रृंखला अनुसंधान एवं शिक्षा के लिए मजबूत सहयोग है। डीआरडीओ के साथ मौजूदा समझौता ज्ञापन, जीएसवी का अत्याधुनिक अनुसंधान द्वारा इस क्षेत्र में सांगठनिक सक्षमता बढ़ाएगा।

गति शक्ति विश्वविद्यालय (जीएसवी) परिवहन एवं परिचालन क्षेत्र में भारत का पहला विश्वविद्यालय है। इसे वर्ष 2022 में संसद के अधिनियम द्वारा केंद्रीय विश्वविद्यालय के रूप में स्थापित किया गया था। भारत सरकार के रेल मंत्रालय के अधीन संचालित यह विश्वविद्यालय रेलवे, राजमार्ग, बंदरगाह, विमानन, समुद्री नौवहन, अंतर्देशीय जलमार्ग, शहरी परिवहन और परिचालन एवं आपूर्ति श्रृंखला नेटवर्क सहित संपूर्ण परिवहन क्षेत्र में प्रशिक्षण प्रदान करता है। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव विश्वविद्यालय के कुलाधिपति हैं।

डॉ. वीरेंद्र प्रताप सिंह यादव ने भरा नामांकन, अधिवक्ताओं के लिए 'आमूल-चूल' परिवर्तन का संकल्प

डॉ. वीरेंद्र प्रताप ने भरा पर्चा, भारी समर्थन के साथ चुनावी बिगुल फूंका

प्रयागराज। बार काउंसिल उत्तर प्रदेश चुनाव 2026 की सरगर्मियों के बीच एक ऐतिहासिक घटनाक्रम सामने आया। हाई कोर्ट लखनऊ के प्रतिष्ठित एडवोकेट डॉ. वीरेंद्र प्रताप सिंह यादव, ने प्रयागराज स्थित बार काउंसिल कार्यालय में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इस कदम ने चुनाव की दिशा को स्पष्ट रूप से मोड़ दिया है, क्योंकि उन्हें अधिवक्ताओं और सामाजिक विशिष्टजनों का व्यापक समर्थन मिला है।

नामांकन पत्र दाखिल करने का यह अवसर किसी उत्सव से कम नहीं था। अधिवक्ताओं और समाज के सम्मानित वरिष्ठ जनों की भारी उपस्थिति ने कार्यक्रम को गरिमामय बना दिया। सभी ने डॉ. यादव के नेतृत्व पर पूर्ण विश्वास जताते हुए उन्हें विजय का आशीर्वाद प्रदान किया।

इस मौके पर प्रदेश भर से विशिष्ट हस्तियाँ उपस्थित रहीं, जिनमें प्रमुख रूप से वरिष्ठ अधिवक्ता जे. के. सिन्हा, एस. सी. गुप्ता, रामसागर यादव, अनुपम मिश्रा शामिल थे। लखनऊ से बलराम यादव गोविंद यादव, अनुराग पांडे, तथा विभिन्न जनपदों जैसे बाराबंकी से शैलेन्द्र वर्मा, सीतापुर से जे. डी. आजाद, और अम्बेडकर नगर से महेंद्र कुमार के प्रतिनिधि भी अपनी एकजुटता दिखाने के लिए मौजूद थे। कर्नल राजेंद्र प्रसाद यादव और मेजर एस. पी. शाक्य जैसे गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति ने डॉ. यादव की व्यापक सामाजिक पहुँच को दर्शाया।

नामांकन के उपरांत अपने संबोधन में, डॉ. यादव ने अधिवक्ताओं की दशा और न्यायिक व्यवस्था में सुधार हेतु कई आमूल-चूल परिवर्तनकारी प्रस्ताव प्रस्तुत किए।

डॉ. यादव ने अपने संदेश को एक प्रेरक छंद के साथ समाप्त किया और दृढ़ता से कहा अब न्यायपालिका में आमूल-चूल परिवर्तन का समय आ चुका है। अधिवक्ताओं के जीवन में नया सवेरा आने वाला है। उन्होंने आश्वस्त किया कि अधिवक्ताओं की गरिमा, अधिकारों और भविष्य की सुरक्षा के लिए वे पूर्ण निष्ठा और पारदर्शिता के साथ कार्य करेंगे, जिससे बार काउंसिल एक आधुनिक और जवाबदेह संस्था बन सके।

इस ऐतिहासिक नामांकन ने यह स्पष्ट कर दिया है कि डॉ. वीरेंद्र प्रताप सिंह यादव इस चुनाव को केवल लड़ने नहीं बल्कि अधिवक्ताओं के जीवन में आमूल-चूल बदलाव लाने के दृढ़ संकल्प के साथ उतरे हैं।

प्रोगा 2025 के तहत भारत में आरएमजी पर लगे प्रतिबंध को दी गई चुनौती

लखनऊ। सुप्रीम कोर्ट में प्रमोशन एंड रैगुलेशन ऑफ ऑनलाईन गेमिंग एक्ट (प्रोगा) 2025 के तहत भारत में रियल-मनी गेमिंग (आरएमजी) पर लगे प्रतिबंध को चुनौती दी गई है, जिसकी सुनवाई में एक याचिकाकर्ता ने इस प्रतिबंध से उनकी आजीविका पर पड़े वाले गंभीर प्रभाव के बारे में एक बहुत शक्तिशाली तर्क दिया है। याचिकाकर्ता एक प्रोफेशनल ऑनलाईन गेमर है। उसने कोर्ट को बताया कि ऑनलाईन स्किल-बेस्ड गेमिंग उनकी आय का प्राथमिक स्रोत और उनका अपना गेमिंग व्यवसाय शुरू करने का माध्यम था। इन प्लेटफॉर्म्स पर प्रतिबंध लगाए जाने से न केवल उनकी आर्थिक स्वतंत्रता बाधित हुई है, बल्कि उन लाखों गेमर्स का भविष्य अंधेरे में चला गया है, जो अब असंगठित ऑफशोर प्लेटफॉर्म्स की ओर पलायन कर रहे हैं।

याचिकाकर्ता ने अपने तर्क में बताया कि इस प्रतिबंध से भारत के बढ़ते घरेलू गेमिंग उद्योग और इसके गेमर्स पर क्या प्रभाव पड़ा है। प्रोगा लागू होने के बाद ज्यादातर आरएमजी ऑपरेटर्स ने काम करना बंद कर दिया है, जिससे भारत में वैध घरेलू प्लेटफॉर्म्स की गंभीर कमी उत्पन्न हो गई है। इस स्थिति में खिलाड़ियों के पास बहुत कम विकल्प बचे रह गए हैं और उन्हें गेम्स तथा अपनी रोजी-रोटी जारी रखने के लिए ऑफशोर असंगठित प्लेटफॉर्म्स की ओर पलायन करना पड़ रहा है। ये ऑफशोर प्लेटफॉर्म भारत के वैधानिक और कानूनी दायरे के बाहर काम करते हैं, जिससे यूजर्स को धोखा-धड़ी, लत, बेईमानी का शिकार होने तथा अपने पैसे गँवा देने का अत्यधिक जोखिम है, जिसके लिए उन्हें कोई कानूनी निवारण भी प्राप्त नहीं हो सकेगा।

अन्य याचिकाकताओं ने भी सुप्रीम कोर्ट में तर्क दिया कि गेम्स ऑफ स्किल (कौशल पर आधारित गेम्स) और गेम्स ऑफ चांस (किस्मत पर आधारित गेम्स) के बीच कानूनी अंतर को बनाए रखना बहुत आवश्यक है। उन्होंने इस प्रतिबंध को चुनौती देते हुए कहा कि कौशल पर आधारित गेम्स पर प्रतिबंध संविधान की धारा 19 (1) (जी) का उल्लंघन है, जिसके अंतर्गत नागरिकों को किसी भी पेशे को अपनाने, या कोई भी व्यवसाय, कारोबार या व्यापार करने का अधिकार दिया गया है।

श्री संजय सहाय, सायबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट एवं पूर्व एडिशनल डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस, कर्नाटक ने कहा, "सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को प्रोग एक्ट, 2025 की संवैधानिक वैधता पर एक विस्तृत जवाब पेश करने का निर्देश दिया है। कानूनी रूप से यह तय है कि जब कौशल का किस्मत पर वर्चस्व हो, तो यह जुए से अलग होगा। इस कानूनी चर्चा का मुख्य आधार किस्मत और कौशल में अंतर है। इसलिए कौशल पर आधारित गेम्स को विभिन्न कोर्ट्स और माननीय सुप्रीम कोर्ट ने बरकरार रखा है। हानिकारक व्यक्तिगत परिणामों के आधार पर इन दोनों को समान नहीं माना जा सकता है। जुए के विपरीत कौशल पर आधारित गेम्स के लिए संज्ञानात्मक क्षमता, रणनीति और अभ्यास की जरूरत होती है, जबकि जुआ पूरी तरह से किस्मत पर आधारित होता है। पैसे से गेम की प्रकृति में कोई मूलभूत बदलाव नहीं आता है, जो इस अधिनियम की प्राथमिक चिंता प्रतीत होती है।"

जय पहलवान वीर बाबा कबूतर टूर्नामेंट क्लब प्रयागराज में आयोजित कबूतरबाजी प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने किया दमदार प्रदर्शन

प्रयागराज। जय पहलवान वीर बाबा कबूतर टूर्नामेंट क्लब प्रयागराज में आयोजित कबूतरबाजी प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन किया। इस मौके पर कई सम्मानित खेलप्रेमी उपस्थित रहे, जिनमें मोहम्मद कासिम भी शामिल थे, जिन्होंने प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया।

प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार रहे :

- प्रथम पुरस्कार -राकेश यादव (बगाड़ा, प्रयागराज)
- द्वितीय पुरस्कार -मुन्ना (कटरा)
- तृतीय पुरस्कार -बिंदोस
- चौथा पुरस्कार -कादिर हलवाई के पोते मोहम्मद तैयब कादरी

मोहम्मद तैयब कादरी न सिर्फ कबूतरबाजी में कुशल माने जाते हैं, बल्कि पतंगबाजी में भी उनका नाम अलग पहचान रखता है। लखनऊ सहित कई जनपदों में आयोजित पतंगबाजी प्रतियोगिताओं में वे अपनी महारत दिखाकर कई बार सम्मान हासिल कर चुके हैं। पतंग उड़ाने की तकनीक, दिशा नियंत्रण और मुकाबले की रणनीति में उनका अनुभव उन्हें भीड़ से अलग करता है। इसी क्रम में मोहम्मद कासिम ने सभी प्रतियोगिता में भाग लिए हुए खिलाड़ियों को बधाई दी

इस टूर्नामेंट में मोहम्मद तैयब के उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ-साथ उनकी मौजूदगी ने युवा खिलाड़ियों को प्रेरित किया। आयोजन समिति ने सभी

विजेताओं और प्रतिभागियों को बधाई दी तथा पारंपरिक खेलों को आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया।

सिटी इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित हुआ पैरेंट्स ईवनिंग

डॉ. प्रज्ञान डंगवाल का प्रेरणादायक संबोधन

लखनऊ : सिटी इंटरनेशनल स्कूल, बालागंज, लखनऊ में पैरेंट्स ईवनिंग सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ. प्रज्ञान डंगवाल, एसोसिएट प्रोफेसर एवं डायरेक्टर , सी०यू०सी०डब्लू०एफ० , चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। डॉ. प्रज्ञान डंगवाल ने अभिभावकों को बहुत ही प्रेरणादायक और उत्साहवर्धक भाषण दिया। उन्होंने बताया कि बच्चों से कैसा व्यवहार करना चाहिए, उन्हें कैसे प्रेरित करना चाहिए और कैसे हम उनके व्यवहार को सकारात्मक दिशा में बदल सकते हैं। उन्होंने कहा कि 'हर बच्चा अलग होता है, हमें बस उसकी क्षमता को पहचानकर उसे सही दिशा में बढ़ाना चाहिए।' अपने भाषण में उन्होंने कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डाला, जैसे कि — 1.)बच्चों को हर समय आदेश देने के बजाय उनसे संवाद करें। 2.)गलतियों पर डांटने की बजाय उन्हें समझाने का प्रयास करें। 3.)बच्चों की तुलना किसी और से न करें, बल्कि उनकी अपनी विशेषता को पहचानें। 4.)बच्चों को प्रेरित करने के लिए छोटे-छोटे सराहनीय शब्दों का प्रयोग करें। कार्यक्रम में एक प्रश्नोत्तर सत्र भी हुआ, जिसमें अभिभावकों ने कई सवाल पूछे। जैसे - 'आजकल बच्चे मोबाइल और स्क्रीन में ज्यादा समय बिताते हैं, इससे कैसे बचाया जाए ?' उन्होंने उत्तर दिया कि 'बच्चों के साथ समय बिताएं, उन्हें वैकल्पिक रुचियाँ दें, तभी वे तकनीक का सही उपयोग करना सीखेंगे।' अंत में स्कूल मैनेजर श्री शहाब हैदर ने डॉ. प्रज्ञान डंगवाल का आभार व्यक्त किया और कहा कि 'डॉ. डंगवाल का संदेश हर माता-पिता और बच्चे के लिए प्रेरणादायक है। बच्चों के व्यवहार को समझना और उन्हें सही दिशा में मार्गदर्शन देना ही असली पालन-पोषण है।' श्री शहाब हैदर ने अभिभावकों और बच्चों से यह भी कहा कि, 'माता-पिता बच्चों के पहले शिक्षक हैं। अगर घर में सकारात्मक माहौल रहेगा तो बच्चे जीवन में ऊँचाइयाँ जरूर छुएँगे।' कार्यक्रम बहुत सफल और प्रेरणादायक रहा। सभी अभिभावकों ने इसे एक सीखने और सोचने का सुंदर अवसर बताया। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन अभिभावकों और शिक्षकों को बच्चों की बेहतर परवरिश में मदद करते हैं। यह पैरेंट्स ईवनिंग सत्र , सिटी इंटरनेशनल स्कूल की उस सोच को दर्शाता है, जिसमें शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं, बल्कि संस्कार, संवाद और संवेदना के माध्यम से बच्चों के उज्जवल भविष्य का मार्ग प्रशस्त करती है।

समर्पण की आहूति, अधिवक्ता रजनीकान्त दुबे ने भरा बार काउंसिल यूपी सदस्य पद हेतु नामांकन

लखनऊ/प्रयागराज सुबह की पहली किरण के साथ ही प्रयागराज की पवित्र भूमि पर एक नया इतिहास लिखा गया। लखनऊ बार एसोसिएशन के पूर्व वरिष्ठ संयुक्त मंत्री, युवा चेहरा और संघर्षशील अधिवक्ता श्री रजनीकान्त दुबे ने बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के सदस्य पद के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। यह नामांकन केवल कागज भरने की औपचारिकता नहीं था, यह अधिवक्ता समाज के दर्द सम्मान और आकांक्षा की जीती-जागती तस्वीर था। जब रजनीकान्त दुबे नामांकन कक्ष में पहुँचे तो उनके साथ लखनऊ से प्रयागराज तक सैकड़ों अधिवक्ताओं का कारवाँ था। वकीलों की गाड़ियाँ, नारे, तख्तियाँ और आँखों में चमक मानो पूरा अधिवक्ता समाज एक साथ साँस ले रहा हो।

श्री दुबे के नामांकन में स्नेह और विश्वास की त्रिवेणी प्रवाहित हुई। उन्हें प्रस्तावक के रूप में प्रतिष्ठित समर्थन प्राप्त हुआ, लखनऊ बार एसोसिएशन की संयुक्त मंत्री आदरणीय श्रेया श्रीवास्तव, ए.एफ.टी बार एसोसिएशन, लखनऊ के पूर्व महामंत्री अरूण साहू, और युवा अधिवक्ताओं के जनाधारित नेता शुभम द्विवेदी ने उनके जनहितैषी मिशन पर मुहर लगाई।

नामांकन के उपरांत, श्री दुबे ने ओजस्वी शब्दों में अपनी प्राथमिकताओं को पुनः परिभाषित किया। उन्होंने मौजूदा परिषद की

असंवेदनशीलता पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए अधिवक्ताओं की मर्माहत समस्याओं को सर्वप्रथम हल करने का आश्वासन दिया। उनके क्रांतिकारी संकल्प निम्नलिखित हैं।

दिवंगत अधिवक्ताओं के आश्रितों को मिलने वाली सहायता राशि अब मात्र दस दिन के भीतर, पूर्ण पारदर्शिता के साथ, समान रूप से प्राप्त होगी। नारी शक्ति का उत्थान, महिला अधिवक्ताओं के लिए बार काउंसिल सहित सभी बार एसोसिएशन चुनावों में 33% आरक्षण की ऐतिहासिक पहल, जिससे उनकी राजनीतिक भागीदारी का मार्ग प्रशस्त होगा।

सम्मान का आसन, प्रत्येक अधिवक्ता को बैठने हेतु अपना चैम्बर सुनिश्चित करना और उनके सम्मान को ठेस पहुँचाने वाले टोल टैक्स से मुक्ति। नैतिक दायित्व, उन्होंने एक अद्वितीय प्रतिज्ञा लेते हुए कहा कि यदि वह अपने कर्तव्य पथ से विमुख होते हैं या अधिवक्ताओं के सम्मान में खड़े नहीं हो पाते, तो वह बिना विलंब अपने पद से त्यागपत्र दे देंगे।

इस महत्वपूर्ण क्षण में लखनऊ और प्रयागराज के अधिवक्ताओं का एक विशाल कारवां उनकी शक्ति बना। वरिष्ठ अधिवक्ता श्रेया श्रीवास्तव, अरूण साहू, राजेश तिवारी, शुभम द्विवेदी, और लखनऊ बार एसोसिएशन के महामंत्री पद के प्रत्याशी आदर्श मिश्रा सभासद पति, गीतापल्ली वार्ड सहित अनेक गणमान्य अधिवक्ताओं ने प्रयागराज तक जाकर उनका मनोबल संवर्धित किया।

श्री दुबे ने अपने सभी समर्थकों का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके लहू का एक कतरा नामांकन में सहयोग करने वाले हर अधिवक्ता का कर्जदार है। यह नामांकन केवल एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं बल्कि परिवर्तन की प्रबल इच्छाशक्ति का अथक उद्घोष है।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI

सम्पादकीय

अपने कार्यकाल में वर्षों पहले से महिला कल्याण पर काम करते रहे हैं

बिहार विधानसभा चुनाव के परिणामों ने यह तो साबित कर ही दिया है कि 20 साल शासन के बाद भी नीतीश वुमार की विश्वसनीयता अभी भी बनी हुई है। आज भी नीतीश बिहार के सबसे कद्दावर नेता हैं। विधानसभा चुनाव प्राचार के दौरान नीतीश वुमार की सेहत और सव्रियता पर सवाल छाए रहे। मीडिया से उनकी दूरी वुछ मंचों से उनके दिए बयान और हाव-भाव पर लोग सवाल उठा रहे थे। प्राधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मंच पर उनकी अनुपस्थिति और रोड शो में बराबर न खड़ा होना विवाद का विषय बना हुआ था। बिहार के नेता प्रातिपक्ष तेजस्वी यादव नीतीश को अचेत मुख्यमंत्री कहते थे। लेकिन इन सबके बावजूद बिहार की जनता कहती रही कि नीतीश वुमार की पाटा इस बार 2020 की तुलना में बढ़िया प्रादर्शन करेगी। जेडीयू ने अप्रात्याशित जीत दर्ज की। पाटा कार्यालय से लेकर मुख्यमंत्री आवास तक पोस्टर लगे ..टाइगर अभी जिदा है। जेडीयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा पहले से ही कई इंटरव्यू में यह कह चुके थे कि नीतीश वुमार को जब-जब कम आंका जाता है। तब-तब वह अपने प्रादर्शन से लोगों को चौंकाते रहे हैं। इस बार बिहार में 67.13 प्रातिशत मतदान हुआ जो पिछले विधानसभा चुनाव से 9.6 प्रातिशत ज्यादा है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं का मतदान 8.15 प्रातिशत ज्यादा रहा है। आमतौर पर यह माना गया था कि नीतीश वुमार को इस बार महिलाओं का भारी समर्थन मिल रहा है और ये चुनाव के परिणामों में भी नजर आया। मुमकिन है कि महागठबंधन को भी इसका आभास था, इसलिए पहले चरण के मतदान से महज पंद्रह दिन पहले तेजस्वी यादव ने जीविका दीदियों के लिए स्थायी नौकरी, तीस हजार के वेतन, कर्ज माफी, दो सालों तक ब्याज मुक्त व्रेडिट, दो हजार का अतिरिक्त भत्ता और 5 लाख तक का बीमा कवरेज देने का लंबा-चौड़ा वादा किया। इसके बावजूद नतीजे उनके पक्ष में नहीं आए। महागठबंधन चुनाव से लगभग एक महीने पहले नीतीश सरकार की तरफ से जीविका दीदियों के खाते में 10-10 हजार वैश बेनेफिट ट्रांसफर करने को वोट खरीदने से जोड़ती हो पर परिणाम बताते हैं कि इनका सीधा फायदा एनडीए को हुआ। ऐसा नहीं कि अपने लंबे कायंर्काल में नीतीश ने जनकल्याण योजनाएं नहीं चलाईं। साल 2007 में ही नीतीश ने इस योजना की शुरूआत कर दी थी। नीतीश वुमार ने अपने पहले कायंर्काल में ही स्वूल जाने वाली लड़कियों के लिए साइकिल, पोशाक और मैट्रिक की परीक्षा पहली डिवीजन से पास करने वाली छात्राओं को दस हजार रुपए की राशि दी। बाद में 12वीं की परीक्षा फर्स्ट डिवीजन से पास करने पर 25000 रुपए और ग्रेजुएशन में 50,000 रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाने लगी। अपने पहले कायंर्काल में नीतीश ने महिलाओं को पंचायत चुनाव में 50 प्रातिशत आरक्षण दिया। पुलिस भता में महिलाओं को 35 प्रातिशत आरक्षण की सुविधा दी और इस बार के चुनाव में भी वादा किया कि अगर उनकी सरकार बनी तो राज्य सरकार की नौकरियों में भी महिलाओं को 35 प्रातिशत आरक्षण दिया जाएगा। नीतीश वुमार को इस बार अति पिछड़ा वर्ग का भी भरपूर समर्थन मिला है। प्राभुत्व वाली नीतियों के खिलाफ ईबीसीवी जातियां एकजुट नजर आईं और उन्होंने एनडीए को वोट दिया। नीतीश वुमार जिस सामाजिक वर्ग से आते हैं, वह बिहार की आबादी का सिर्प 2.91 प्रातिशत है। इसके बावजूद वह इतने बने गठबंधन के नेता बने। आमतौर पर माना जा रहा है कि तेजस्वी के लिए अब भी पिता लालू प्रासाद यादव के कायंर्काल की जंगलराज वाली छवि को भेदना मुश्किल हो गया था और चुनाव में यह एक मुद्दा जरूर बना। दूसरी तरफ नीतीश वुमार सुशासन बाबू की अपनी छवि को अब भी बनाए हुए हैं। 20 साल सत्ता में रहने के बावजूद नीतीश वुमार की साफ-सुथरी छवि है, उन पर आज तक भ्रष्टाचार का कोई दाग नहीं लगा। पर आलोचक यह भी कहते हैं कि नीतीश के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार होते हुए भी बिहार देश के सबसे गरीब राज्यों में है। पलायन आज भी एक बहुत बड़ी वास्तविकता है। नीतीश ने इन मुद्दों को गंभीरता से अड्रैस नहीं किया और इन पर काम करना अब एनडीए की सरकार के लिए एक चुनौती है। एक विश्लेषक का मानना है कि नीतीश वुमार को सहानुभूति वोट भी मिलें क्योंकि वुछ लोगों का मानना था कि यह इलेक्शन

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में अहमदाबाद के घाटलोडिया विधानसभा क्षेत्र में 'सरदार@150 यूनिटी मार्च' आयोजित

- मुख्यमंत्री ने यूनिटी मार्च-पदयात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया
- भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री जगदीश विश्वकर्मा, प्रभारी मंत्री श्री ऋषिकेश पटेल और राज्य मंत्री श्रीमती दर्शनाबेन वाघेला सहित कई गणमान्य लोगों की विशेष उपस्थिति
- स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग से आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की सामूहिक शपथ ली गई

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल :-

- सरदार साहब की 150वीं जयंती पर 'एकता मंत्र' को जन-जन तक पहुंचाने के लिए विधानसभा क्षेत्रवार यूनिटी मार्च का आयोजन
- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कश्मीर से अनुच्छेद 370 को निरस्त कर भारत को एक और अखंड बनाया

गांधीनगर, 17 नवंबर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने भारत की एकता और अखंडता के प्रतीक और आधुनिक भारत के शिल्पकार सरदार वल्लभभाई पटेल के 150वें जयंती समारोह के अंतर्गत घाटलोडिया विधानसभा क्षेत्र की 'सरदार@150 यूनिटी मार्च' पदयात्रा को सोमवार को अहमदाबाद के आंबली इलाके से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से देश भर में मनाई जा रही सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में जन-जन में राष्ट्रीय एकता का भाव उजागर करने के लिए यूनिटी मार्च आयोजित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने 9 नवंबर को जूनागढ़ से इस राज्यव्यापी यूनिटी मार्च का शुभारंभ करने के बाद, विधानसभा क्षेत्रवार इस मार्च के आयोजन के तहत सोमवार सुबह अपने घाटलोडिया विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में यूनिटी मार्च को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने इस अवसर पर कहा कि आजादी के बाद सरदार वल्लभभाई पटेल ने देश के पहले उप प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के रूप में 562 रियासतों का एकीकरण कर एक और अखंड भारत का निर्माण किया था। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने एकता के उसी मंत्र को 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' से साकार किया है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और हमारे गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाकर कटक से कच्छ और कश्मीर से कन्याकुमार तक एक भारत बनाया है।

उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री ने दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' के निर्माण के जरिए सरदार पटेल को सच्चे अर्थ में

श्रद्धांजलि दी है। स्टैच्यू ऑफ यूनिटी की यह प्रतिमा भारत के सामर्थ्य और गौरवशाली इतिहास का श्रेष्ठ प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने यह स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश में विकास की राजनीति स्थापित की है, उनके नेतृत्व में 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' मंत्र के माध्यम से भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री उपस्थित सभी लोगों से आ'ान करते हुए कहा कि हम सभी सरदार साहब को याद करके और स्वदेशी को जीवन का एक हिस्सा बनाकर विकसित भारत का निर्माण करें। उन्होंने कहा कि हम सभी एक और नेक बनकर 2047 तक विकसित भारत बनाने के संकल्प को साकार करने के लिए कटिबद्ध बनें।

इस यूनिटी मार्च में शामिल सभी लोगों ने स्वदेशी को अपनाने और आत्मनिर्भर भारत के लिए योगदान देने की सामूहिक शपथ ली।

अहमदाबाद की महापौर श्रीमती प्रतिभा जैन ने स्वागत भाषण में कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में आयोजित यूनिटी मार्च सरदार पटेल को सच्चे अर्थ में श्रद्धांजलि होगी।

इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री जगदीश विश्वकर्मा, प्रभारी मंत्री श्री ऋषिकेश पटेल, राज्य मंत्री श्रीमती दर्शनाबेन वाघेला, सांसद श्री दिनेशभाई मकवाणा और श्री नरहरिभाई अमीन, महानगर प्रभारी श्री रजनीभाई पटेल, शहर के विधायक, शहर भाजपा अध्यक्ष श्री प्रेरकभाई शाह, बाल संरक्षण आयोग की चेयरमैन श्रीमती धर्मिष्ठाबेन गज्जर, मनपा आयुक्त श्री बंछानिधि पाणि, शहर पुलिस आयुक्त श्री जी.एस. मलिक, जिला कलेक्टर श्री सुजीत कुमार, जिला विकास अधिकारी श्री विदेह खरे, कई साधु-संत, पूर्व राज परिवारों के सदस्य, पार्षदगण, पार्टी के पदाधिकारी, युवाओं और विद्यार्थियों सहित बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे।

भारत पर्व-2025, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, एकता नगर : तेलंगाना की चेरियाल पेंटिंग ने मोहा आगंतुकों का मन

- तेलंगाना की चेरियाल चित्रकार वंशिथा भारत पर्व मंच के जरिए देश की समृद्ध कला विरासत को उजागर कर रही हैं
- 24 वर्षीय वंशिथा चेरियाल पेंटिंग के माध्यम से दशार्ती हैं पौराणिक कथाएं
- तेलंगाना की चेरियाल पेंटिंग को मिला है जीआई टैग, कलाकार प्राकृतिक रंगों का उपयोग कर हिंदू पौराणिक कथाओं का करते हैं वर्णन

गांधीनगर, 17 नवंबर : सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर एकता नगर में दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' परिसर में भारत सरकार और गुजरात सरकार के संयुक्त तत्वावधान में 'भारत पर्व-2025' का भव्य आयोजन किया गया है। भारत की विविधतापूर्ण संस्कृति, कला और हस्तकला को प्रदर्शित करने वाला यह जीवंत उत्सव अनेकता में एकता की झलक प्रस्तुत करता है। भारत पर्व में विभिन्न राज्यों की ओर से अपनी विशिष्ट विरासत का प्रदर्शन देखने को मिल रहा है, जिनमें तेलंगाना की अनोखी चेरियाल पेंटिंग को दशार्ने वाला स्टॉल अपने रंगों, कहानियों और इतिहास के लिए सबसे अलग नजर आ रहा है।

24 वर्षीय कलाकार की चेरियाल पेंटिंग तेलंगाना की सांस्कृतिक विरासत को उजागर कर रही है

तेलंगाना की 24 वर्षीय चेरियाल कलाकार सी.एच. वंशिथा और उनकी माता अपने राज्य की संस्कृति की सदियों पुरानी कहानियों को चेरियाल पेंटिंग के माध्यम से प्रस्तुत करने और इस कला को संरक्षित करने के मिशन पर है। वे एकता नगर में भारत पर्व के

माध्यम से इस मिशन को आगे बढ़ा रही हैं। उल्लेखनीय है कि चेरियाल कला तेलंगाना के चेरियाल गांव की एक पारंपरिक स्क्रॉल पेंटिंग शैली है। यह दृश्य कला के माध्यम से कहानी कहने की एक कला है। इसमें चित्रों का उपयोग पारंपरिक कहानी कहने के लिए किया जाता है। ये पेंटिंग हिंदू पौराणिक कथाओं, लोककथाओं और ग्रामीण जीवन के दृश्यों को दशार्ती है। इस कला में जीवंत और जटिल कथात्मक चित्रों को खादी के कपड़े पर उकेरा जाता है। इसमें इमली के बीज के पेस्ट, चावल के स्टार्च और चाक पावडर के मिश्रण का उपयोग होता है, जो पेंटिंग के लिए एक मजबूत आधार तैयार करता है।

मंत्रमुग्ध करने वाली तेलंगाना की चेरियाल स्क्रॉल पेंटिंग को मिला है जीआई टैग

तेलंगाना की चेरियाल पेंटिंग सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का एक सुंदर माध्यम है, जिसके रंग देखने वालों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। इस कला को अपनी सांस्कृतिक धरोहर के लिए भौगोलिक संकेतक (जीआई) टैग मिला है। चेरियाल पेंटिंग की विशेषता इसके प्राकृतिक रंग हैं। कलाकार पेंटिंग बनाने के लिए खनिज, फूल और समुद्री सीपियों आदि से प्राप्त रंगों का उपयोग करते हैं और उन्हें हस्तनिर्मित ब्रश के जरिए कपड़े पर उकेरते हैं। इस पेंटिंग में रामायण, महाभारत और स्थानीय लोक कथाओं जैसे भारतीय महाकाव्यों के दृश्यों को अद्भुत तरीके से चित्रित किया जाता है। प्रत्येक चित्र एक जीवंत दृश्य कहानी की तरह प्रकट होता है, जो ग्रामीण तेलंगाना की समृद्ध परंपराओं और जीवन शैली का वर्णन करता है।

पृष्ठभूमि में चटक लाल रंग, चेहरे की अभिव्यक्ति और बोल्ड आउटलाइन चेरियाल पेंटिंग की पहचान हैं। पारंपरिक रूप से, लोक गायकों और कलाकारों द्वारा इन चित्रों का उपयोग अपनी कहानियां सुनाने के लिए किया जाता है, लेकिन आज इस हस्तकला का विस्तार वॉल हैंगिंग्स (फोटोफ्रेम या पोस्टर्स), मास्क और सजावटी कलाकृतियों की वस्तुओं तक हो गया है। इस हस्तकला को नक्काशी कलाकारों (चेरियाल चित्रकारों) की पीढ़ियां आगे बढ़ा रही हैं, जो सदियों पुरानी तकनीकों को संरक्षित रखते हुए उसमें नवाचार कर रहे हैं।

भारत पर्व में बड़ी संख्या में आगंतुकों ने चेरियाल पेंटिंग को बड़ी उत्सुकता के साथ देखा और पौराणिक कथाओं को दशार्ने वाले चित्रों का वर्णन भी सुना। पहली बार भारत पर्व जैसे कार्यक्रम में शामिल होने वाली और बी.टेक. की डिग्री हासिल कर चुकी सी.एच. वंशिथा ने कहा, 'मैं बचपन से इस कला के साथ पली-बढ़ी हूं। मेरी माता पिछले 15 वर्षों से इस कला के प्रति समर्पित हैं और मैं गत चार वर्षों से इस कला से जुड़ी हुई हूं। हमारे द्वारा बनाए गए हरेक चित्र में हमारे देवताओं और पूर्वजों की कथाएं हैं। हमारा लक्ष्य इस कला के माध्यम से दुनिया को यह बताना है कि हमारी विरासत कितनी समृद्ध है।'

भारत पर्व : परंपरा, संदेश और रचनात्मकता का अनोखा समन्वय

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी परिसर में आयोजित भारत पर्व-2025 देश भर के कलाकारों और कारीगरों के लिए उनकी क्षेत्रीय परंपरा और धरोहर को प्रस्तुत करने का एक सशक्त मंच है। इस मंच के माध्यम से तेलंगाना की 24 वर्षीय युवती ने अपनी हस्तकला के जरिए भारत की 'विविधता में एकता' की भावना को प्रतिबिंबित किया है। डिजिटल आर्ट और मॉडर्न स्टोरीटेलिंग (कहानी कहने की कला) के इस युग में वंशिथा चेरियाल पेंटिंग जैसी कला की विरासत को आगे बढ़ा रही हैं।

एक लाख से अधिक नागरिकों ने जोड़ा कदम -पूरे भारत में आरसीएम की रूपांतरण यात्रा बनी जनआंदोलन; अब पहुँच रही है सुल्तानपुर

सुल्तानपुर, उत्तर प्रदेशः आरसीएम की रूपांतरण यात्रा, जिसमें अब तक देश के 20 शहरों में एक लाख से अधिक नागरिक जुड़ चुके हैं, 19 नवम्बर को सुल्तानपुर पहुँचेगी।

16 सितंबर 2025 को राजस्थान के भीलवाड़ा से आरसीएम के 25वें स्थापना वर्ष के उपलक्ष्य में शुरू हुई यह यात्रा सभी अपेक्षाओं से आगे निकल चुकी है और अब एक जन-आंदोलन का रूप ले चुकी है।

अब तक की यात्रा के उत्साह को देखते हुए उम्मीद है कि सुल्तानपुर में इस यात्रा को और भी ज्यादा जनसमर्थन मिलेगा, जहाँ हर उम्र और वर्ग के नागरिक सक्रिय भागीदारी करेंगे।

इस यात्रा के दौरान आम नागरिक -बच्चे, महिलाएं और परिवार - स्वास्थ्य (रद्द२३८), सेवा (रीद्द) और संस्कार (रंल्ल२'१) जैसे मुख्य सिद्धांतों को अपनाने का संकल्प ले रहे हैं। उन्होंने स्वस्थ जीवनशैली, जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों से बचाव और समाज सेवा के महत्व के बारे में सीखा है।

अब तक 2,000 से अधिक लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान भी किया है, जो समाज के प्रति गहरी जिम्मेदारी और अपनत्व की भावना को दशार्ता है। यह संख्या दिसंबर 23, 2025 को यात्रा के समापन तक और बढ़ने की संभावना है।

रूपांतरण यात्रा की सफलता का मूल कारण है आम जनता की सच्ची और स्वप्रेरित भागीदारी। स्वास्थ्य जागरूकता पर केंद्रित इस यात्रा में मधुमेह, उच्च रक्तचाप, थायरॉइड और उच्च कोलेस्ट्रॉल जैसी जीवनशैली बीमारियों पर व्यावहारिक सत्रों और चिकित्सा शिविरों के माध्यम से जागरूकता फैलाई जा रही है।

यह 100 दिनों की, 17,000 किलोमीटर लंबी राष्ट्रव्यापी यात्रा 75 शहरों का दौरा करेगी और 25 भव्य समारोहों का आयोजन करेगी। यह अभियान आरसीएम के उस दृष्टिकोण को सशक्त करता है कि कंपनी केवल डायरेक्ट सेलिंग तक सीमित नहीं है, बल्कि एक जन-केंद्रित और मूल्य-आधारित आंदोलन है।

'जब लोग बिना किसी अपेक्षा के सेवा के लिए आगे आते हैं, तो वह एक आयोजन नहीं बल्कि जागरण होता है,' रूपांतरण यात्रा के मार्गदर्शक तिलोकचंद छाबड़ा ने कहा। उन्होंने आगे कहा, 'यह आंदोलन हमें दिखा रहा है कि सच्चा परिवर्तन तभी शुरू होता है जब नागरिक अपने जीवन में स्वास्थ्य, सेवा और संस्कार को अपनाते हैं।'

'रूपांतरण यात्रा आरसीएम के 25 वर्षों की उपलब्धियों का उत्सव है और उन असंख्य सह-खरीदारों के आत्मनिर्भरता और आर्थिक स्वतंत्रता की भावना को सलाम है,' आरसीएम के मैनेजिंग डायरेक्टर सौरभ छाबड़ा ने कहा। 'इस यात्रा के माध्यम से हम नए सदस्यों को एक मूल्य-आधारित, जन-संचालित यात्रा से जुड़ने के लिए प्रेरित करना चाहते हैं।'

'रूपांतरण यात्रा केवल परिवर्तन की यात्रा नहीं, बल्कि सशक्तिकरण का आंदोलन है,' मैनेजिंग डायरेक्टर प्रियंका अग्रवाल ने कहा। 'जब महिलाएं शक्ति, दृष्टि और करुणा के साथ आगे बढ़ती हैं, तो वे न केवल अपना भविष्य गढ़ती हैं, बल्कि राष्ट्र की दिशा भी बदल देती हैं।'

'एफएमसीजी और हेल्थ से लेकर फैशन और लाइफस्टाइल तक, आरसीएम के उत्पाद गर्व से मेड इन इंडिया हैं और उच्च गुणवत्ता मानकों पर खरे उतरते हैं,' सीईओ मनोज कुमार ने कहा। 'रूपांतरण यात्रा के माध्यम से, हम करोड़ों लोगों को सशक्त बनाने और एक स्वस्थ, मजबूत भारत के निर्माण में योगदान देने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।'

सुल्तानपुर में रूपांतरण रथ के भव्य स्वागत और कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों के आने की उम्मीद है।

यह कार्यक्रम सुबह 7 बजे फ्लट प्राणगीत से शुरू होगा, जो फ्लट के मुख्य उद्देश्यों और सिद्धांतों को प्रस्तुत करेगा, इसके बाद शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देने के लिए एक योग सत्र होगा। स्वास्थ्य क्रांति के साथ-साथ फ्लट द्वारा उठाए गए विभिन्न स्वास्थ्य संबंधित पहलों का परिचय दिया जाएगा। उपस्थित लोग सेवा गतिविधि में भाग लेंगे और एक डॉक्यूमेंट्री में फ्लट की प्रभावशाली यात्रा को प्रदर्शित किया जाएगा। सभी उपस्थित लोग आदर्श नागरिक शपथ लेंगे, जिसमें वे सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करेंगे। कार्यक्रम का समापन जागरूकता रैली से होगा, जो शहरभर में सेवा, स्वास्थ्य और संस्कार का संदेश फैलाएगी।

हाल ही में प्रकाशित पुस्तक 'मनसा वाचा कर्मणा -एक कर्मयोगी की जीवनी', जो आरसीएम के संस्थापक तिलोकचंद छाबड़ा के जीवन पर आधारित है, कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण होगी। यह पुस्तक उनके जीवन के कर्मयोग और उनके विचारों व कार्यों के करोड़ों लोगों पर पड़े प्रभाव को दशार्ती है।

अब तक जिन 20 शहरों में यात्रा हो चुकी है, उन्हें देखकर कहा जा सकता है कि सुल्तानपुर इस आंदोलन को एक नया आयाम देगा - केवल संख्याओं में नहीं, बल्कि सहभागिता की भावना और गहराई में भी।

आरसीएम कंज्यूमर प्रोडक्ट्स प्रा. लि. के बारे में: 2000 में एक वस्त्र उत्पाद से शुरूआत करने वाली आरसीएम आज ₹2,400 करोड़ के कारोबार वाली कंपनी बन चुकी है।

ओमेक्स ने किया टीम-बिल्डिंग रिट्रीट का आयोजन

लखनऊ, 17 नवम्बर 2025: ओमेक्स की ओर से आज ओमेक्स मेट्रो सिटी, रायबरेली रोड पर टीम-बिल्डिंग रिट्रीट का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का लक्ष्य टीम के बीच भरोसा, सहयोग और आपसी समझ को बढ़ाना था। सभी कर्मचारियों ने मिलकर ऐसी गतिविधियों में हिस्सा लिया, जिनसे टीम वर्क और संवाद और बेहतर हुआ।

ओमेक्स के बिजनेस हेड श्री अंजनी कुमार पांडेय ने कहा, "किसी भी कंपनी की असली ताकत उसके लोग होते हैं। जब टीम एकजुट रहती है और सकारात्मक

सोच के साथ काम करती है, तभी हम अपने ग्राहकों को अच्छा अनुभव दे पाते हैं। ओमेक्स हमेशा यही कोशिश करता है कि कर्मचारियों को बेहतर माहौल और सीखने के मौके मिलें।'

उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम न सिर्फ. टीम को मजबूत बनाते हैं, बल्कि कंपनी की कामकाज की रफ्तार और ग्राहक सेवा को भी बेहतर करते हैं।

कार्यक्रम के अंत में हाई-टी और स्नैक्स के साथ सभी कर्मचारियों ने अनौपचारिक बातचीत में अपने अनुभव साझा किए।

ओमेक्स का यह कदम टीम भावना को बढ़ाने और ग्राहकों को और बेहतर सेवाएं देने की दिशा में एक अहम पहल है।

पीएनबी ने अपने ग्राहकों से 30.11.2025 तक केवाईसी विवरण अद्यतन करने का किया आग्रह

लखनऊ 17 नवंबर 2025: भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के दिशानिर्देशों का पालन करते हुए, देश के अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, पंजाब नेशनल बैंक ने अपने ग्राहकों से अपने खातों में "अपने ग्राहक को जानें" (केवाईसी) जानकारी अपडेट करने का आग्रह किया है।

चल रहे (केवाईसी) अनुपालन अभ्यास के तहत, पीएनबी के जिन ग्राहकों के खातों में 30.09.2025 तक केवाईसी अपडेट होना था, उनसे अनुरोध है कि वे अपनी अपडेट की गई केवाईसी जानकारी - जैसे पहचान प्रमाण, पते का प्रमाण, नवीनतम तस्वीर, पैन/फॉर्म 60, आय प्रमाण, मोबाइल नंबर (यदि पहले से पंजीकृत नहीं है), या कोई अन्य आवश्यक केवाईसी दस्तावेज - 30.11.2025 तक या उससे पहले जमा कर दें।

ग्राहक किसी भी पीएनबी शाखा में जाकर या पीएनबी वन, इंटरनेट बैंकिंग सेवाएँ (आईबीएस), व्हाट्सएप, एसएमएस सहित डिजिटल माध्यमों से, या पंजीकृत ईमेल या डाक के माध्यम से अपनी मुख्य शाखा को आवश्यक दस्तावेज भेजकर अपने केवाईसी विवरण अपडेट कर सकते हैं।

कृपया ध्यान दें कि निर्धारित समय सीमा के भीतर केवाईसी अपडेट न करने पर नियामक दिशानिर्देशों के अनुसार खाता संचालन पर प्रतिबंध लग सकता है।

किसी भी सहायता के लिए ग्राहक अपनी नजदीकी पीएनबी शाखा में जा सकते हैं या आधिकारिक वेबसाइट https://www.pnb.bank.in/ देख सकते हैं ।

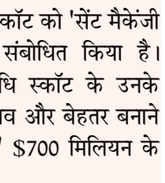

चेतावनीः कृपया अपना केवाईसी अद्यतन करने के लिए किसी भी असत्यापित स्रोत से प्राप्त किसी भी लिंक/फाइल पर क्लिक/डाउनलोड नही करे

कौन है ये हसीना, जिसने ₹6200 करोड़ किए दान? कमाई सुनकर उड़ जाएंगे होश! फिलहाल हैं सिंगल

मैकेंजी स्कॉट ने उच्च शिक्षा तक पहुंच बढ़ाने की वकालत करते हुए, ऐतिहासिक रूप से अश्वेत लोगों के कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को $700 मिलियन का दान दे रही हैं। उनका यह सराहनीय दान अभियान लगातार जारी है, जिससे परोपकार की नई परिभाषाएं गढ़ी जा रही हैं।

15 HBCUs को सितंबर के बाद से मिला विशाल समर्थन, स्कॉट ने सितंबर के अंत से कम से कम 15 ऐतिहासिक रूप से अश्वेत कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को $700 मिलियन दिए हैं। इसके अलावा, उन्होंने उन गैर-लाभकारी संगठनों को भी दान दिया है जो रंगीन छात्रों के लिए उच्च शिक्षा तक पहुंच और सामर्थ्य बढ़ाने का समर्थन करते हैं। 'सेंट मैकेंजी स्कॉट', माइकल लोमैक्स, यूनाइटेड नेग्रो कॉलेज फंड के अध्यक्ष और सीईओ, ने स्कॉट को 'सेंट मैकेंजी स्कॉट' कहकर संबोधित किया है। उन्होंने यह उपाधि स्कॉट के उनके संगठन को बदलाव और बेहतर बनाने के लिए दिए गए' $700 मिलियन के दान के बाद दी।

लोमैक्स ने एबीसी न्यूज के साथ एक साक्षात्कार में बताया कि स्कॉट का दृष्टिकोण न केवल अमेरिका में बल्कि वैश्विक स्तर पर गढ़ा है। तलाक के बाद मिली संपत्ति का बड़ा हिस्सा किया दान, तलाक के समझौते में स्कॉट को लगभग $38 बिलियन मिले थे।

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत 'रिवर रैंचिंग/जन जागरूकता कार्यक्रम' का आयोजन

मत्स्य मंत्री डॉ० संजय कुमार निषाद ने रिवर रैचिंग कार्यक्रम के तहत 02 लाख भारतीय मेजर कार्प मत्स्य बीज का संचय गोमती नदी में किया

(जीएनएस)। लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मत्स्य विकास मंत्री डॉ0 संजय निषाद की अध्यक्षता में यहां न्यू लक्ष्मण पार्क, गोमती रिवर फ्रंट पर राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड, हैदराबाद द्वारा संचालित प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत 'रिवर रैंचिंग/जन जागरूकता कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश मत्स्य विकास निगम लि0 गोमती हैचरी, लखनऊ से 02 लाख भारतीय मेजर कार्प मत्स्य बीज (रोहू कतला तथा नैन) 80 से 100 एम0एम का संचय किया गया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत मत्स्य पालन हेतु एयरेशन सिस्टम योजना एवं मछुआ दुर्घटना बीमा के कुल 06 लाभार्थियों को मत्स्य मंत्री जी द्वारा प्रमाण पत्र वितरित

किए गए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ0 निषाद ने कहा कि प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना का मुख्य उद्देश्य नदियों में मत्स्य संसाधनों का पुनर्जीवन, पारंपरिक मछली पकड़ने के तरीकों को बढ़ावा देना, मछुआ समुदाय की आजीविका को मजबूत बनाना तथा जलीय जैव विविधता में वृद्धि करना है। उन्होंने बताया कि नदी पारिस्थितिकीय प्रणाली के संरक्षण हेतु रिवर रैंचिंग प्रक्रिया अत्यंत महत्वपूर्ण है। डॉ0 निषाद ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस प्रकार के कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित कर नदी संरक्षण और मत्स्य विकास की पहल को मजबूत किया जाए। राज्य सरकार प्रदेश को मत्स्य उत्पादन के क्षेत्र में अग्रणी और आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। मत्स्य विकास विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए और पात्र लोगों तक इसका लाभ पहुंचाया जाना सुनिश्चित किया जाए। कार्यक्रम में मत्स्य विकास विभाग के प्रमुख सचिव मुकेश मेश्राम ने कहा कि प्रदेश भर में रिवर रैंचिंग कार्यक्रमों को निरंतर संचालित किया जाना चाहिए। इस प्रकार के कार्यक्रमों से जलीय जैवविविधता में और वृद्धि होगी और नदियों में पारिस्थितिकीय तंत्र को बनाए रखने में सहायता मिलेगी कार्यक्रम में एन0एस0 रहमानी, निदेशक मत्स्य पुनीत कुमार, उप निदेशक मत्स्य (मुख्यालय), एजाज नकवी, उप निदेशक मत्स्य (नियोजन), उग्रसेन सिंह, उपनिदेशक सांख्यिकीय, श्रीमती सृष्टि यादव, उप निदेशक मत्स्य (लखनऊ मंडल), लखनऊ, प्रदीप कुमार शुक्ला, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, लखनऊ एवं समस्त मण्डलीय/जनपदीय अधिकारी /कर्मचारी उपस्थित रहे।

सरदार पटेल की जयंती पर सड़कों पर दिखा जनसैलाब: राज्यमंत्री संजय गंगवार के नेतृत्व में एकता पदयात्रा निकली

(जीएनएस)। पीलीभीत सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के अवसर पर सोमवार को पीलीभीत में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान गन्ना राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार के नेतृत्व में सदर विधानसभा क्षेत्र में एकता पदयात्रा निकाली गई।

यह पदयात्रा सुबह टनकपुर हाईवे पर कचहरी के आगे मोमिनगंज से शुरू हुई। यात्रा में शामिल लोग हाथों में तिरंगा लिए 'भारत माता की जय' के नारे लगाते हुए उत्साहपूर्वक आगे बढ़ रहे थे।

राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार के नेतृत्व में निकली इस पदयात्रा का शहर में जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। कचहरी के पास

जिला संयुक्त बार एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष धीरेंद्र मिश्रा और अन्य अधिवक्ताओं ने यात्रा का अभिनंदन किया। इसके बाद नकटादाना चौराहा सहित कई अन्य स्थानों पर भी स्थानीय निवासियों और संगठनों ने पदयात्रा का गर्मजोशी से स्वागत किया।

इस पदयात्रा में भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह, सभ्यता वर्मा सहित कई अन्य भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता और सैकड़ों की संख्या में लोग शामिल हुए। यात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए अंत में रामा कॉलेज मैदान पहुंची।

रामा कॉलेज मैदान में एक जनसभा का आयोजन किया गया। जनसभा को संबोधित करते हुए राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार ने लोगों को सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन, संघर्ष और देश के एकीकरण में उनके योगदान के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति और दूरदर्शिता से भारत को एक सूत्र में पिरोया, और उनकी जयंती राष्ट्रीय एकता और अखंडता का संदेश देती है।

यह कार्यक्रम राष्ट्रीय नायकों के प्रति सम्मान व्यक्त करने और लोगों को एकजुट करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था।

पीलीभीत: सपा नेत्री दिव्या गंगवार व चौधरी प्रदीप पटेल ने सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर भव्य सम्मान समारोह आयोजित!

पीलीभीत।भारत रत्न लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा, पीलीभीत द्वारा भव्य प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन 16 नवम्बर 2025 को शहर के ओम लॉन (रामा इंटर कॉलेज के सामने) किया गया। कार्यक्रम में जिले सहित प्रदेशभर से समाजसेवी, जनप्रतिनिधि, युवा एवं वरिष्ठ जन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

समारोह में श्री संजय सिंह गंगवार, राज्यमंत्री (गन्ना एवं चीनी मिल, उत्तर प्रदेश) ने शिरकत की। अतिथियों ने पटेल के आदर्शों को याद करते हुए समाज की एकता, शिक्षा और सामाजिक उत्थान पर जोर दिया।

मुख्य वक्ता के रूप में डा. भरत पटेल, प्रदेश महासचिव (अखिल भारतीय कुर्मी लोध महासंघ, उ.प्र.) ने समाज को संगठित रहने एवं नई पीढ़ी में शिक्षा के विस्तार पर विशेष बल दिया।

विशिष्ट अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति

कार्यक्रम में कई प्रमुख व्यक्तियों ने अपनी उपस्थिति से आयोजन को भव्यता प्रदान की

श्री भगवत सरन गंगवार, वरिष्ठ समाजसेवी श्री वीरेंद्र गंगवार (वीरू), अध्यक्ष जिला सहकारी बैंक, बरेली

श्री सत्यपाल गंगवार, अध्यक्ष– जिला सहकारी बैंक, पीलीभीत

श्रीमती दिव्या पी. गंगवार, पूर्व प्रत्याशी 130 विधानसभा बीसलपुर एवं राष्ट्रीय सचिव, महिला सभा (सपा)

श्री गोविंद पाल सिंह गंगवार, प्रदेश उपाध्यक्ष–अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा, उत्तर प्रदेश

श्रीमती श्रुति गंगवार, अध्यक्ष– अर्बन कोऑपरेटिव बैंक, बरेली

चौधरी प्रदीप सिंह पटेल, फाउंडर–कला ईश फाउंडेशन (रजि.)

कार्यक्रम में क्षेत्र के मेधावी छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं समाजसेवियों को सम्मानित किया गया। मंच से वक्ताओं ने सरदार पटेल के राष्ट्रीय योगदान का स्मरण करते हुए एकजुट होकर समाज को शिक्षा, जागरूकता और सेवा की दिशा में आगे बढ़ने का संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर दीपक द्वारा किया गया अंत में सभी का आभार व्यक्त किया गया।

पीलीभीत:सराय मोहल्ला में वोटर लिस्ट का संकट: बीएलओ की लापरवाही से परेशान लोग, समाजसेवी बबीता सक्सेना से लगाई गुहार

(जीएनएस)। बीसलपुर के सराय मोहल्ला में वोटर लिस्ट से जुड़ी समस्याओं को लेकर स्थानीय मोहल्लावासी बेहद परेशान हैं। क्षेत्र के बीएलओ नगर लगातार शिकायतों के बावजूद लोगों की समस्याओं का समाधान नहीं कर रहे, जिससे मोहल्ले में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने, संशोधन और कटने जैसी गड़बड़ियों के चलते मोहल्लावासी सोमवार को समाजसेवी बबीता सक्सेना से मिले और अपनी समस्याएँ विस्तार से बताईं। मोहल्लावासियों का कहना है कि वे कई दिनों से बीएलओ से संपर्क कर रहे हैं, लेकिन कोई संतोषजनक कार्रवाई नहीं हो रही।

समाजसेवी बबीता सक्सेना ने तत्काल लोगों की समस्याएँ सुनीं और भरोसा दिलाया कि इस मामले को शीघ्र ही संबंधित अधिकारियों के समक्ष उठाकर समाधान कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि वोटर लिस्ट में हो रही लापरवाही आम नागरिकों के मताधिकार पर सीधा असर डालती है, जो किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं है। मोहल्लावासियों ने भी उम्मीद जताई कि उनकी शिकायतों का जल्द निस्तारण होगा और उन्हें सही तथा अद्यतित मतदाता सूची उपलब्ध कराई जाएगी।

पीलीभीत-उत्तराखंड बॉर्डर पर अवैध शराब पर शिकंजा

ब्यूरो रिपोर्ट पीलीभीत

पीलीभीत, 17 नवंबर:बनगांवा जंगलों में 3000 लीटर लहन नष्ट, 170 लीटर कच्ची शराब जब्त –यूपी-यूके संयुक्त टीम की 10 किमी कांबिंग, 3 मुकदमे दर्ज, अभियान जारी

उत्तर प्रदेश–उत्तराखंड सीमा पर शराब तस्करों का खेल थमने वाला नहीं, लेकिन प्रशासन ने कमर कस ली। आबकारी आयुक्त के आदेश पर डीएम व एसपी के निर्देशन में विशेष अभियान चला –बनगांवा के घने जंगलों में दबिश दी गई। संयुक्त टीम ने 170 लीटर कच्ची शराब बरामद की, 3000 लीटर लहन व 6 भट्ठियां मौके पर ध्वस्त। मझोला, रघुलिया व सरपुड़ा ग्रामों में सघन तलाशी, 10 किमी पैदल कांबिंग। आबकारी अधिनियम के तहत 3 केस दर्ज।

अभियान उप आबकारी आयुक्त

बरेली व जिला आबकारी अधिकारी ने लीड किया। टीमों में (आशुतोष तिवारी, मनीष कुमार) के साथ खटीमा (उधमसिंहनगर) निरीक्षक व न्यूरिया–खटीमा पुलिस शामिल। बॉर्डर पर वाहनों की चेकिंग तेज, तस्करी रोकने को गश्त बढ़ी। अधिकारी ने कहा, "सीमा पार अवैध धंधा खत्म करेंगे –अभियान रोज चलेगा।" ग्रामीणों में राहत, लेकिन तस्कर फरार। ये कार्रवाई नशे के खिलाफ बड़ा कदम।

जम्मू तवी एक्सप्रेस की चपेट में आने से युवक की मौत, लगभग एक घंटे यातायात प्रभावित रहा

(जीएनएस)। मलिहाबाद। सोमवार की शाम एक दर्दनाक हादसा हुआ जब एक 20 वर्षीय युवक जम्मू तवी एक्सप्रेस की चपेट में आ गया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई लगभग एक घंटे यातायात प्रभावित रहा। घटना मलिहाबाद रेलवे स्टेशन से महमूदनगर ढाल के बीच पोल संख्या 94/30 पर हुई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने मृतक के शव ट्रेन में बुरी तरह फंसा हुआ था। रेलवे लाइन को तुरंत क्लियर करने और शव

को निकालने के लिए पुलिस ने आसपास के ग्रामीणों की मदद ली। काफी मशक्कत के बाद शव को बाहर निकाला जा सका जिसके बाद रेलवे लाइन को यातायात के लिए साफ किया गया।मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने मृतक की पहचान विकास कुमार 20 निवासी पाठकगंज, महमूदनगर के रूप में हुई। घटना स्थल पर मृतक के पिता रामगोपाल और ग्राम प्रधान सर्वेश कुमार भी मौजूद पाए गए। पुलिस ने बताया कि उन्होंने घटना स्थल का निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई पूरी कर ली है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है कि यह दुर्घटना थी या कोई अन्य कारण।

पीलीभीत: भाजपा नेता डॉ. रत्नेश गंगवार को 'कुर्मी कुल गौरव सम्मान' - समाज ने जताया गर्व, एकता पर चर्चा!

संवाददाता पीलीभीत

बीसलपुर/पीलीभीत।

भाजपा नेता डॉ. रत्नेश गंगवार को उनके उत्कृष्ट सामाजिक कार्यों व राजनीति में महत्वपूर्ण योगदान के लिए अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित भव्य सम्मान समारोह में 'कुर्मी कुल गौरव सम्मान पत्र' प्रदान किया गया।

सम्मान ग्रहण करते हुए डॉ. रत्नेश कुर्मी ने संगठन तथा संपूर्ण कुर्मी क्षत्रिय समाज के प्रति हृदयपूर्वक आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वे समाज के हितों व उत्थान के लिए सदैव समर्पित रहेंगे और आगे भी निरंतर योगदान देते रहेंगे।

कार्यक्रम में राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार, डॉ. भरत पटेल, डॉ. दीपक गंगवार, उमेश कुमार गंगवार, पी.एल. गंगवार सहित सैकड़ों गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति ने गरिमा को और बढ़ा दिया।

समारोह के दौरान समाज की एकता, प्रगति और युवा पीढ़ी में जागरूकता को लेकर भी विस्तृत चर्चा की गई।

विधवा महिला से यौन शोषण व दुष्कर्म एक विधवा महिला का दर्द छलका

(जीएनएस)। पीलीभीत, 17 नवंबर: देवर-जेठ ने धोखे से शादी कराई, नौकरी का लालच, सास-ससुर का दवाब, एसपी के आदेश पर 4 के खिलाफ ~~ज्रम्~~ पुलिस जांच तेज जिले के घुंघचाई थाना क्षेत्र में देवर-जेठ ने प्रेम जाल, धोखे से शादी व यौन शोषण का आरोप। शाहजहांपुर के बंडा की पीड़िता ने एसपी को पत्र दिया, जिसके आदेश पर दो भाइयों व दो अन्य के खिलाफ आईपीसी 376 (दुष्कर्म), 420 (धोखाधड़ी), 506 (धमकी) समेत धाराओं में मुकदमा दर्ज। थाने ने

लापरवाही बरती, अब विवेचना शुरू।

पीड़िता ने बताया –पति की मौत के बाद घुंघचाई के युवक ने नौकरी का झांसा देकर शोषण किया, फिर कोर्ट मैरिज बड़े भाई से कराई। नौकरी न मिलने पर रिश्तेदारों ने छोटे भाई (देवर) से शादी कर दी। बाहर जाने पर जेठ डरा-धमका कर दुष्कर्म करता, विरोध पर मारपीट व जान से मारने की धमकी। सास-ससुर ने जेठ के साथ संबंध बनाने को कहा। मोबाइल छीना, जातिसूचक गालियां दीं। डर से मायके भागी, थाने में शिकायत पर कोई एक्शन न हुआ तो एसपी के पास पहुंची।

एसपी ने तत्काल निर्देश दिए – "महिलाओं के खिलाफ अपराध बर्दाश्त नहीं।" पीड़िता टूटी –"न्याय दो, वरना..." पुलिस आरोपी ढूंढ रही। ये मामला महिलाओं की असुरक्षा उजागर।

बरेली:-समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का सपा नेत्री दिव्या गंगवार समाजसेवी चौ प्रदीप पटेल ने किया स्वागत

(जीएनएस)। बरेली। समाजवादी पार्टी की राष्ट्रीय सचिव, महिला सभा एवं 130 विधानसभा बीसलपुर की पूर्व प्रत्याशी दिव्या पी. गंगवार ने आज बरेली आगमन पर राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस मौके पर समाजसेवी चौधरी प्रदीप पटेल भी उपस्थित रहे और उन्होंने भी पूर्व मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया।

अखिलेश यादव के आगमन पर कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। दिव्या पी. गंगवार ने प्रदेश के राजनीतिक हालात, सामाजिक मुद्दों तथा संगठन की गतिविधियों को लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष से महत्वपूर्ण चर्चा की। उन्होंने महिला सुरक्षा, शिक्षा एवं सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों पर पार्टी की प्रतिबद्धता दोहराई।

समाजसेवी चौधरी प्रदीप पटेल ने भी समाज में जागरूकता, युवा भागीदारी और ग्रामीण क्षेत्रों के विकास पर अपने विचार रखते हुए अखिलेश यादव का मार्गदर्शन प्राप्त किया। कार्यक्रम के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं ने फूलमालाएं पहनाकर एवं नारों के साथ पूर्व मुख्यमंत्री का स्वागत किया।

अखिलेश यादव ने सभी कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर संगठन को और मजबूत करने का संदेश दिया तथा जनता के मुद्दों पर संघर्ष जारी रखने की अपील की।

दूसरे टेस्ट से बाहर होंगे 2 स्टार भारतीय खिलाड़ी!

(जीएनएस)। कोलकाता टेस्ट मैच में हारने के बाद भारत के पास अंतिम मौका बचा है, जिसे जीतकर सीरीज में पराजय से बचा जा सकता है। भारतीय टीम का अगला मैच गुवाहाटी में खेला जाना है, इससे पहले भी परेशानी सामने आ रही है। मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही है। टीम इंडिया के दो प्लेयर बाहर हो सकते हैं।

गर्दन में जकड़न की समस्या के कारण गिल नहीं खेल पाए थे। इसके बाद उनको अस्पताल से वापस आने के बाद भी स्थिति को लेकर कुछ भी कन्फर्म नहीं है। वह अगले टेस्ट से भी बाहर हो सकते हैं। अगर ऐसा होता है, तो ऋषभ पंत टीम इंडिया के कप्तान होंगे। एक और नाम कुलदीप यादव का है, जो अगले टेस्ट से बाहर हो सकते हैं। उनका जाना तय माना जा रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार कुलदीप यादव ने शादी के लिए छुट्टी मांगी है। नवंबर के अंतिम सप्ताह में शादी हो सकती है।

द वर्डेंट पब्लिक स्कूल में राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर मीडिया कर्मियों का किया गया सम्मान।

(जीएनएस)। पीलीभीत पूरनपुर। द वर्डेंट पब्लिक स्कूल में सोमवार को राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें स्थानीय मीडिया प्रतिनिधियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के प्रबंध निदेशक असद खान एवं प्रधानाचार्या देवेंद्र कौर ने स्वतंत्र और निष्पक्ष प्रेस की लोकतंत्र में भूमिका पर प्रकाश डाला।समारोह में पब्लिक ऐप के श्री नाजिम जी और जनहित पावर के श्री शब्लू जी सहित अन्य पत्रकारों को स्मृति चिह्न एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।इस अवसर पर विद्यालय के छात्र लक्ष्य कुमार ने

राष्ट्रीय प्रेस दिवस के इतिहास और इसके महत्व पर प्रभावी भाषण प्रस्तुत किया, जिसे वहां उपस्थित सभी ने सराहा। कार्यक्रम का संचालन, इंचार्ज शिक्षिका फरहा खान ने किया तथा अंत में अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

स्कूलों में दिसंबर में छुट्टियां ही छुट्टियां!

(जीएनएस)। दिसंबर का महीना आते ही देशभर के छात्र और अभिभावक एक ही सवाल पूछते दिखते हैं, इस बार विंटर वेकेशन कब से कब तक रहेगी? ठंड बढ़ते ही स्कूलों में छुट्टियों का दौर शुरू हो जाता है और बच्चे भी नई फिल्मों, पर्यटन, रिश्तेदारों से मिलने और त्योहारों के लिए खूब उत्साहित रहते हैं। दिसंबर 2025 में भी क्रिसमस की छुट्टी और विंटर ब्रेक का पूरा कैलेंडर तैयार हो चुका है, लेकिन हर राज्य में छुट्टियों की तारीखें अलग होंगी।

कहीं एक हफ्ते की छुट्टी, तो कहीं 15 दिनों से भी ज्यादा का अवकाश मिलने की संभावना है। खास बात यह है कि इस बार क्रिसमस गुरुवार को पड़ रहा है, इसलिए कई स्कूल 24 दिसंबर की शाम से ही बंद हो सकते हैं। जानिए किस राज्य में कितनी छुट्टी मिलेगी, किन दिनों में स्थानीय त्योहार मनाए जाएंगे और कब से शुरू होगी असली विंटर वेकेशन।

देशभर में एक ही छुट्टी – क्रिसमस साल 2025 में पूरे भारत में स्कूलों की एक अनिवार्य छुट्टी तय है: क्रिसमस डे – 25 दिसंबर 2025 (गुरुवार)

यह एक गजटेड हॉलिडे है और सभी स्कूलों में इसे अनिवार्य रूप से मनाया जाता है। क्रिसमस के दिन सरकारी और निजी दोनों प्रकार के स्कूल बंद रहते हैं।

दिसंबर में स्कूलों में सबसे लंबी छुट्टी विंटर ब्रेक की होती है। इसकी अवधि राज्य और मौसम पर निर्भर करती है। उत्तर भारत में तेज सर्दी के कारण छुट्टियां लंबी होती हैं, जबकि दक्षिण भारत में क्रिसमस और न्यू ईयर के आसपास छोटी छुट्टी मिलती है।

उत्तर भारत – लंबी छुट्टियां

उत्तर भारत के राज्यों जैसे दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में विंटर ब्रेक आमतौर पर 24 या 25 दिसंबर से शुरू होकर जनवरी के पहले या दूसरे सप्ताह तक चलता है। कई स्कूल 1 से 15 जनवरी तक भी बंद रहते हैं। इसका कारण कड़ाके की ठंड और कोहरे की स्थिति है।

दिल्ली – दो तरह के कैलेंडर दिल्ली के निजी और सरकारी स्कूलों में दो प्रकार की डेट्स देखने को मिल सकती हैं।

कुछ कैलेंडरों के अनुसार छुट्टी 24 दिसंबर से 31 दिसंबर 2025 तक हो सकती है।

वहीं कुछ स्कूल जनवरी 1 से 15, 2026 तक का शीतकालीन अवकाश घोषित कर सकते हैं।

अंतिम निर्णय स्कूल अपने सर्कुलर के जरिए बताते हैं।

जम्मू–कश्मीर – सबसे लंबी सर्दियों की छुट्टी

पहाड़ी इलाकों में भारी बर्फबारी के कारण यहां के स्कूलों में दिसंबर से फरवरी तक लंबी छुट्टी रहती है। छोटे बच्चों की कक्षाएं जल्दी बंद हो जाती हैं जबकि बड़े बच्चों का समय कम बदलता है।

दक्षिण भारत – छोटी छुट्टियां

केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और अन्य तटीय राज्यों में बहुत तेज ठंड नहीं पड़ती। यहां विंटर ब्रेक आमतौर पर क्रिसमस के आसपास 5 से 8 दिन का होता है। छुट्टियां टेंटेटिव रूप से 23 या 24 दिसंबर से 1 जनवरी तक चलती हैं।

केन्द्रीय विद्यालय (केवी)

केन्द्रीय विद्यालयों का एक समान कैलेंडर होता है।

संभावित अवकाश: 23 दिसंबर 2025 से 1 जनवरी 2026 (कुल 10 दिन)।

दिसंबर में अन्य राज्यीय छुट्टियां

कुछ राज्यों में अतिरिक्त छुट्टियां भी रहती हैं, जो स्थानीय त्योहारों पर दी जाती हैं:

	तारीख	त्योहार/छुट्टियां
राज्य		
1	1 दिसंबर	इंडिजिनस फेथ डे अरुणाचल प्रदेश
2	3 दिसंबर	सेंट फ्रांसिस जेवियर पर्व गोवा
3	19 दिसंबर	गोवा मुक्ति दिवस गोवा, दमन–द्वीप